Shri T. T. Krishnamachari: I would like to have notice.

श्री कप नारायण : जहां तक मुझे मालूम है, सन् १९५५ में भी ऐसे लोगों को एग्जेम्पशन दिया गया है जो कि शेड्यूल्ड कास्टस के नहीं थे। लेकिन शेड्यूल्ड कास्टस के लोगों को जिन्होंने डिपार्टमेंटल एग्जामिनेशन में उन से ज्यादा मार्कस पाए थे, जब इम्तेहान पास करने के लिए ५० परसेन्ट मार्कस रख गए हैं, उन्होंने ५७ परसेन्ट मार्कस पाए थे और दूसरे लोगों ने जो कि शेड्यूल्ड कास्टस के नही थे २७ परसेन्ट पाए थे, एग्जेम्प्ट नही किया गया। एक शेड्यूल्ड कास्टस के आफिसर की सर्विस को टर्मिनेट कर दिया गया, जिस की सर्विस साढे सात वर्ष की थी। मैं जानना चाहता हूं कि ऐसा क्यो किया गया था जब कि दूसरो लोगो को जिन्होने शेड्यूल्ड कास्ट के आफिसर से...

Mr. Speaker: The hon Member should put a specific question, and bring to the notice of the hon Minister specific instances where, notwithstanding the fact that a scheduled caste candidate got marks higher than others, he was not preferred and there was a discrimination shown against him Such cases may be brought to the notice of the Minister, instead of making allegations here on the floor of the House of a general character

Shri B. K. Gaikwad May I know why, when non-scheduled caste candidates were exempted from appearing at the examination, the scheduled caste candidate were not exempted? Were there no scheduled castes candidates available at that time who asked for this exemption?

Mr. Speaker. He has answered the question

Shri T. T. Krishnamachari: The hon Member who has tabled the question has a particular case in view, and hon. Members are asking questions in a very general manner As I said, the exemptions were not given on the basis of scheduled or non-scheduled caste candidates That was because that at that period when these people were promoted, they were found otherwise fit In one case it was made permanent, but the particular case he has in view perhaps relates to one particular officer, and if that is so, it is best for him to ask for information, and I can give the information It may be that in that case the officer himself elected to accept the counter officer the Government made to him

हिमाचल प्रदेश में खनिज निक्षेप

*१३३२ **श्री पदम देव** क्या इस्पात खान और ईंधन मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि हिमाचल प्रदेश में अभ्रक, लोहा, ताबा, एसबेस्टस, नमक जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं,

(ख) क्या सरकार को इस बात की भी जानकारी है कि वहा तेल बहुत अधिक मात्रा मे विद्यमान है, और

(ग) इन खनिजो को निकालने के लिये सरकार ने क्या कदम उठाये हैं ?

खान और तेल मन्त्री (श्री क० दे० मालवीय) (क) असली हालत तो यह है कि हिमाचल प्रदेश के मण्डी नामक स्थान पर नमक काफी तादाद मे मौजूद है। यहा पर कच्चे लोहे के भी काफी भण्डार है परन्तु वह घटिया किस्म के है। मालूम हुआ है कि पाइराइट्स (Pyrites) काईनाट (Kyanite) ताबा (Copper) अहद पदार्थ (Asbestos), अभ्रक (Mica) इत्यादि खनिज पदार्थ भी मिलते हैं परन्तु उनका कोई आर्थिक महत्व अभी तक नही पाया गया। मैंने 'अभी तक' शब्द जोड दिए हैं।

(ख) तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने मंडी के इलाके में कुछ स्थान खोज लिये है जहां तेल की चट्टानों की पहचान कर

ली गई है और कहीं कहीं तेल का (Seepage) भी देखा गया है । पिछले साल के खोज करने के मौसम में तरतीब वार जांच पड़ताल शुरू की गई थी और अगले अक्टूबर से फिर शुरू कर दी जायेंगी लेकिन इस खोज के बारे में अभी निश्चित रूप में कुछ नहीं कहा जा सकता

(ग) सरकार के लिये इन मे से किसी भी खनिज पदार्थ का शोषण करना अभी सम्भव नहीं है ।

Some Hon. Members: In English also please.

Mr. Speaker: Yes.

Shri K. D. Malaviya: (a) The actual position is that Himachal Pradesh has a good deposit of rock salt at Mandi. It also has extensive deposits of iron ore, but their quality is poor. Pyrites, Kyanite, Copper, Asbestos, Mica are also known to occur but they are not considered of any economic importance as yet.

(b) The Oil and Natural Gas Commission has located certain spots in the Mandi Area where oil rock has been identified and some oil seepage also noticed. Systematic investigation was started during the last field season and will be resumed from October next. Nothing definite can be said about this discovery as yet.

(c) Government has not yet found it possible to exploit any of these minerals.

श्री पदम देव : क्या मैं जान सकता हूं कि सरकार ने इस विषय में अनुसंधान करने के लिये क्या कोई मशीनरी बनाई है ?

श्री क० दे० मालवीय : हमारा संगठन बहुत जबरदस्त है और वह बराबर हर साल खोजबीन किया करता है ।

श्री पदम देव: क्या सरकार को मालूम है कि मंडी जिले में सपराघाट तहसील में सोनखड नाम की एक नदी है जिसके किनारे से लोग सोना चुन कर अपना रोजगार चलाते हैं । क्या इसके सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने की चेष्टा की गयी है ।

श्री क० दे० मालवीय : यह आम तौर पर जानी हुई बात है कि हिमालय की नदियों से जो बालू नीचे आता है उसमें कुछ मात्रा में सोना मिला हुआ होता है । यह खासी इसी नदी की खासियत नहीं है, सभी नदियों में बालू में सोने का कुछ अंश रहता है लेकिन उसका कोई आर्थिक महत्व नहीं है ।

श्री हेमराज : हिमाचल प्रदेश के साथ ही लगते पंजाब के पहाड़ी क्षेत्र में भी बहुत सारे मिनरल्स हैं । उनमें से किन किन का अनुसंधान किया गया है ?

श्री क० दे० मालवीय : जी हां, सरकार को मालूम है कि आसपास के पहाड़ी इलाके में खनिज पदार्थ हैं । उनके जांच पड़ताल की योजना हमारा विभाग बनाता है । कुछ जांच पड़ताल हो भी रही है, उसकी हमारे पास सूचना भी है और समय समय पर उसकी रिपोर्ट शाया की जाती है ।

Shri K. G. Deshmukh: May I know whether it is a fact that there is a foundry at Nahan which is a government enterprise, and for this foundry iron ore is imported from Bihar? If it is so, may I know why Government do not attempt to have the iron ore from Himachal Pradesh itself where it is available?

Shri K. D. Malaviya: I have said that although iron ore is found there, the quality is not good. Therefore the producers and iron ore processors might be importing better quality iron ore from Bihar. That is a simple economic proposition.

Smuggling of Counterfeit Currency

***1334. Shri Shivananjappa:** Will the Minister of **Finance** be pleased to state the steps taken by Union Government to prevent smuggling of counterfeit currency into India?